

क्रवाधार ग

EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 43] नर्षे विश्ली, बुधवार, शार्च 5, 1969/फाल्गुम 14, 1890

No. 43] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 5, 1969/PHALGUNA 14, 1890

हम आग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह श्रामग संहत्तन क उप में रखा जा सक ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 5th March 1969

G.S.R. 762.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government kereby makes, with effect from 1st March, 1969, the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), No. 116/68-Central Excises, dated the 14th May, 1968, namely:—

'In the said notification.—

- (i) for the words, figures and letter "under Item No. 22C", the words and figures "under Item Nos. 19, 21 and 22" shall be substituted;
- (ii) for Explanation I, the following Explanation shall be substituted, namely:—
- 'Explanation I.—For the purposes of this notification, "nylon fabrics" means those fabrics—
 - (a) which are made wholly from nylon, or
 - (b) which are made from nylon in admixture with rayon, provided the nylon content of the same is not less than 40 per cent.'.

[No. 94/69]

K NARASIMHAN, Jt. Secy.

विस्त मंत्रापय

(राजस्व ग्रौर बीमा विभाग)

यधिसूचना

केन्द्रीय उत्पादन शल्क

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1969

भा० क० नि० 763.- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भागत सरकार के बित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रौर वीमा विभाग) की अधिसूचना स० 116/68-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारी 14 मई, 1968 में पहली मार्च, 1969 से एतद द्वारा निम्नलिखित ग्रतिरिक्त संशोधन करती है, ग्रर्थान :—

उक्त प्रधिसूचना मे---

- (i) "मद सं० 22ग के ग्रधीन", शब्दो भीर ग्रंकों के लिए "मद सं० 19, 21 भीर 22 के ग्रधीन" शब्द तथा ग्रंक प्रतिस्थापित किए जायेगे ;
- (ii) स्पष्टीकरण 1 के लिए निम्नलिखित स्पष्टीकरण प्रतिस्थापित किया जाएगा, भर्मात —

"स्पष्टीकरण-1 इस श्रधिसूचना के प्रयोजनो के लिए "नाइलोन फैंकिक" से ऐसे फैंकिक श्रभिप्रेत हैं :--

- (क) जो पूर्णत: नाइलोन से बने हो, प्रश्रवा
- (ख) रेयन के भिश्रण वाले नाईलोम से बने हो परन्तु यह तब जब कि उसकी नाइलोन ग्रन्तर्वस्तु 40 प्रतिशत से कम न हों '।

[स 94/69]

के० नरतिहन, संबुक्त समिम ।